http://www.mpboardonline.com

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश

प्रादर्श प्रश्न पत्र
एवं
आदर्श उत्तर

कक्षा 12वीं

राजनीति शास्त्र
2008–2009

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

सर्वाधिकार सुरक्षित माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यपदेश, भोपाल

http://www.mpboardonline.com

प्रश्न–पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा :– XII　　　　परीक्षा : हायर सेकण्डरी　　　　पूर्णांकः– 100

विषय :– राजनीति शास्त्र　　　　समय : 3 घण्टे

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न खण्ड (अ)	अंकवार प्रश्नों की संख्या खण्ड (ब)			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	6 अंक	
1.	स्वतंत्रता के पश्चात भारत के समक्ष चुनौतियां	10	1	1	1	–	2
2.	भारत में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की स्थापना	10	4	–	–	1	1
3.	भारतीय प्रजातंत्र एवं सामाजिक उत्थान	10	1	1	1	–	2
4.	भारतीय लोकतंत्र के संचालन में आने वाली बाधायें	12	3	1	1	–	2
5.	समसामयिक आन्दोलन एवं लोकतंत्र	10	1	1	1	–	2
6.	स्वतंत्रता के पश्चात विश्व राजनीति में भारत की स्थिति	10	1	1	1	–	2
7.	गुटनिरपेक्ष आन्दोलन अन्त–र्राष्ट्रीय वित्त संस्थायें एवं क्षेत्रीय संगठन	10	4	–	–	1	1
8.	भारत का अन्य राष्ट्रों से संबंध	10	1	1	1	–	2
9.	भारत और संयुक्त राष्ट्र	10	5	–	1	–	1
10.	वैश्वीकरण	08	4	1	–	–	1
	योग =	100	25 (5)	07	07	02	16+5=21

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के प्रारंभ में दिये जायेगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न में 1 X 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

http://www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

आदर्श प्रश्न पत्र
विषय – राजनीति शास्त्र
कक्षा – 12

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

निर्देश–सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(1) प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। इसके अतिरिक्त सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिये गये है।

(2) प्रश्न क्रमांक 6 से 12 तक प्रत्येक प्रश्न के लिये 4 अंक निर्धारित है।

(3) प्रश्न क्रमांक 13 से 19 तक प्रत्येक प्रश्न के लिये 5 अंक निर्धारित है।

(4) प्रश्न क्रमांक 20 से 21 तक प्रत्येक प्रश्न के लिये 6 अंक निर्धारित है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(खण्ड अ)

प्र0 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये। 05

(1) राज्य पुनर्गठन आयोग की नियुक्ति 29 दिसम्बर सन् .... में हुई।

(2) गेलबिन ऑस्टिन ने .... को सारे भारत की झाँकी कहा है।

(3) भारतीय संविधान के प्रारूप में कुल .... अनुच्छेद थे।

(4) भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक तत्व .... के संविधान से लिये गये है।

(5) संविधान के कुछ उपबन्धों में साधारण बहुमत से संशोधन करने का अधिकार .... को है।

प्र0 2. सही विकल्प चुनिये 05

(1) काराकोरम श्रेणियां विद्यमान है –

(अ) भारत और भूटान के मध्य। (ब) भारत और नेपाल के मध्य।

(स) भारत और पाकिस्तन के मध्य। (द) भारत और चीन के मध्य।

http://www.mpboardonline.com

(2) गुटनिरेपक्ष राष्ट्रों का सातवां शिखर सम्मेलन कहां हुआ था –

(अ) चीन (ब) कोलंबो

(स) नई दिल्ली (द) लुसाका

(3) गुटनिरपेक्षता की नीति मुख्य रूप से किन राष्ट्रों द्वारा अपनाई गई है –

(अ) पूंजीवादी राष्ट्र (ब) साम्यवादी राष्ट्र

(स) नवस्वतंत्रता प्राप्त राष्ट्र (द) अल्प विकसित राष्ट्र

(4) आशियान संगठन का मुख्यालय कहां है –

(अ) भारत (ब) सेबू

(स) हनोई (द) जकार्ता

(5) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना कब हुई थी –

(अ) सन् 1945 (ब) सन् 1946

(स) सन् 1947 (द) सन् 1948

प्र0 3. सत्य / असत्य लिखिये – 05

(1) इन्दिरा गांधी ने सन् 1966 में अमेरिका यात्रा की। ( )

(2) आर्थिक उदारीकरण से राज्य के आयात में वृद्धि होती है। ( )

(3) आर्थिक उदारीकरण का उद्देश्य रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना है।( )

(4) वैश्वीकरण आर्थिक समानता को जन्म देता है। ( )

(5) अशिक्षा आधुनिकी कारण के मार्ग में बाधा है। ( )

प्र0 4. सही जोड़ियां बनाइये – 05

	(अ)		(ब)
(1)	मास्को घोषणा पत्र	–	न्यूयार्क
(2)	संयुक्त राष्ट्रसंघ का मुख्यालय	–	1952
(3)	संयुक्त राष्ट्र के प्रथम महासचिव	–	24 अक्टूबर 1945
(4)	संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना	–	1 नवम्बर 1943
(5)	निःशस्त्रीकरण आयोग	–	त्रिम्वीली

http://www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

प्र0 5. एक शब्द / वाक्य में उत्तर दीजिये – 05

(1) राष्ट्रीय विकास परिषद का अध्यक्ष कौन होता है ?

(2) नक्सलवादी आंदोलन किस गांव से संबंधित है ?

(3) ''लोकतंत्र जनता का जनता के द्वारा और जनता के लिये शासन है'' यह किस विद्वान का कथन है ?

(4) अन्य पिछड़े वर्गों के लिये केन्द्र सरकार की सेवाओं में कितने प्रतिशत स्थान आरक्षित है ?

(5) भारतीय मंजदूर संघ की स्थापना कब हुई ?

(खण्ड ब)

प्र0 6. भारत विभाजन के कोई चार कारण बताइये। 04

अथवा

हैदराबाद की रियासत के भारत में विलय में क्या दिक्कतें आयी ? इन्हें कैसे हल किया गया ?

प्र0 7. राष्ट्रीय विकास परिषद् का मुख्य कार्य क्या हैं ? 04

अथवा

नियोजन का अर्थ स्पष्ट करते हुए, उसके उद्देश्यों की चर्चा कीजिए।

प्र0 8. निरक्षरता के कोई चार कारण लिखिए। 04

अथवा

आर्थिक असमानता को दूर करने के कोई चार उपाय बताइये।

प्र0 9. नारीवादी आंदोलन से आप क्या समझते हैं ? इसके विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए। 04

अथवा

सहकारी संगठन के उद्देश्य समझाइये।

http://www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

प्र010. पंचशील के सिद्धांतों की चर्चा कीजिए। 04

अथवा

गुटनिरपेक्षता का अर्थ बताइये। भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति क्यों अपनाई।

प्र011. ''भारत–अमरीका संबंध अनिश्चित रहे है।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए। 04

अथवा

भारत–रूस 'मैत्री और सहयोग संधि' (1993) के क्या मुख्य प्रावधान है ?

प्र012. वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं ? इसकी विशेषताएँ बताइये। 04

अथवा

आर्थिक उदारीकरण के कोई चार उद्देश्य लिखिए।

प्र013. कश्मीर समस्या के उद्भव के क्या कारण थे ? इसके समाधान की दिशा में संयुक्त राष्ट्र संघ की क्या भूमिका रही ? 05

अथवा

भारत में राज्यों के पुनर्गठन की आवश्यकता और प्रक्रिया का निरूपण कीजिए।

प्र014. पिछड़े वर्ग से क्या अभिप्राय है ? इस सन्दर्भ में कालेलकर आयोग की सिफारिशों की चर्चा कीजिए। 05

अथवा

अनुसूचित जातियों के विकास के लिये क्या उपाय किये गये हैं ? ये कहाँ तक सफल हुए हैं ?

प्र015. नक्सलवाद पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिये। 05

अथवा

भारत में क्षेत्रीय असंतुलन के क्या कारण है। इन्हें कैसे दूर किया जा सकता है।

प्र016. उपभोक्ता किसे कहते हैं? भारत में इस आंदोलन की क्या स्थिति है ? 05

अथवा

पर्यावरण से आप क्या समझते हैं ? भारत में पर्यावरणीय प्रदूषण के क्या कारण हैं?

http://www.mpboardonline.com

प्र017. शीत युद्ध के कारणों की विस्तार से विवेचना कीजिए। 05

अथवा

अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों पर तनाव शैथिल्य के प्रभाव की विवेचना कीजिए।

प्र018. भारत–पाकिस्तान संबंधों से जुड़े मुख्य मृद्दों का परीक्षण कीजिए। 05

अथवा

भारत–श्रीलंका मतभेद के कोई चार कारण लिखिये।

प्र019. संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंगों के नाम लिखिये। सुरक्षा परिषद् के प्रमुख कार्य व शक्तियों को समझाइये। 05

अथवा

निःशस्त्रीकरण का अर्थ स्पष्ट कीजिए। निःशस्त्रीकरण के प्रमुख प्रकार कौन–कौन से हैं ?

प्र020. भारतीय संविधान के स्त्रोत समझाइये। 06

अथवा

भारत के संविधान की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

प्र021. सार्क के गठन और उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए। इसकी आंशिक सफलता का क्या कारण है ? 06

अथवा

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना के क्या उद्देश्य है ? इसके मुख्य कार्यों की विवेचना कीजिए।

आदर्श उत्तर
विषय – राजनीति शास्त्र
कक्षा – 12

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(खण्ड अ)

उ0 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये। 05

(1) राज्य पुनर्गठन आयोग की नियुक्ति 29 दिसम्बर सन् **1953** में हुई।

(2) गेलबिन ऑस्टिन ने **संविधान सभा** को सारे भारत की झॉकी कहा है।

(3) भारतीय संविधान के प्रारूप में कुल **395** अनुच्छेद थे।

(4) भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक तत्व **आयरलैण्ड** के संविधान से लिये गये है।

(5) संविधान के कुछ उपबन्धों में साधारण बहुमत से संशोधन करने का अधिकार **संसद** को है।

उ0 2. सही विकल्प चुनिये

(1) काराकोरम श्रेणियां विद्यमान है –

(ब) भारत और नेपाल के मध्य।

(2) गुटनिरेपक्ष राष्ट्रों का सातवां शिखर सम्मेलन कहां हुआ था –

(स) नई दिल्ली

(3) गुटनिरपेक्षता की नीति मुख्य रूप से किन राष्ट्रों द्वारा अपनाई गई है –

(स) नवस्वतंत्रता प्राप्त राष्ट्र

(4) आशियान संगठन का मुख्यालय कहां है –

(द) जकार्ता

(5) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना कब हुई थी –

(अ) सन् 1945

http://www.mpboardonline.com

उ0 3. सत्य / असत्य लिखिये –

(1) सत्य

(2) असत्य

(3) सत्य

(4) सत्य

(5) असत्य

उ0 4. सही जोड़ियां बनाइये –

	(अ)		(ब)
(1)	मास्को घोषणा पत्र	–	1 नवम्बर 1943
(2)	संयुक्त राष्ट्रसंघ का मुख्यालय	–	न्यूयार्क
(3)	संयुक्त राष्ट्र के प्रथम महासचिव	–	त्रिग्वीली
(4)	संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना	–	24 अक्टूबर 1945
(5)	निःशस्त्रीकरण आयोग	–	1952

उ0 5. एक शब्द / वाक्य में उत्तर दीजिये –

(1) प्रधानमंत्री।

(2) नक्सलवादी।

(3) अब्राहम लिंकन।

(4) 27%

(5) सन् 1955

(खण्ड ब)

उ0 6. भारत विभाजन के कारण –

(i) मुस्लिमों में साम्प्रदायिकता की भावना।

(ii) अंगेजों द्वारा मुस्लिम साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देना।

(iii) मुस्लिम लीग के प्रति कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति।

(iv) अंतरिम सरकार में मुस्मिल लीग के सदस्यों को शामिल करना।

अथवा

हैदराबाद भारत की सबसे बड़ी रियासत थी। यह हिन्दू–बहुल रियासत थी। हैदराबाद के भारत में विलय की तमाम कोशिश की गई परन्तु निजाम ने किसी न किसी बहाने से सबको निष्फल कर दिया। अन्ततः इसे 13 सितम्बर 1948 को भारत द्वारा सैनिक कार्यवाही द्वारा हल किया गया। 18 सितम्बर को रियासत की सेना को आत्म समर्पण कर दिया। इससे विलय का मार्ग प्रशस्त हो गया।

उ0 7. राष्ट्रीय विकास परिषद् नियोजन के विषय में नीति निर्धारण करने वाली उच्चतर संस्था है।

मुख्य कार्य –

(i) योजना आयोग द्वारा तैयार योजना प्रारूप पर विचार करना और स्वीकृति देना।

(ii) योजना के लिए दिशा निर्देश जारी करना।

(iii) योजना के निर्धारित उद्देश्यों तथा लक्ष्यों की विवेचना करना।

(iv) विकास कार्यों में केन्द्र तथा राज्यों के मध्य समन्वयक स्थापित करना।

अथवा

नियोजन का अर्थ है, उद्देश्य निर्धारित करके कार्य, चुनाव एवं निर्णय करना। नियोजन तक तकनीक, साध्य प्राप्ति का एक साधन तथा वह साध्य है जो पूर्व–निश्चित उद्देशों की प्राप्ति से संबंधित है।

नियोजन के उद्देश्य –

(i) आय तथा सम्पत्ति के समान वितरण को कम करना।

(ii) संसाधनों का समुचित उपयोग।

(iii) संतुलित क्षेत्रीय विकास।

(iv) आय तथा रोजगार के अवसरों में वृद्धि।

(v) अर्थव्यवस्था को संतुलित बनाना।

(vi) सामाजिक उत्थान के लक्ष्य को पूरा करना।

http://www.mpboardonline.com

उ0 8. स्वतंत्रता के छः दशक बाद भी भारतीय जनसंख्या का एक बड़ा भाग निरक्षर है।

निरक्षरता के कारण –

(i) निरक्षरों की बढ़ती संख्या

(ii) विकास में बड़ी बाधा।

(iii) बेरोजगारी और रोजगार की असुरक्षा।

(iv) निरक्षरता व्यक्ति की स्वतंत्रता में बाधक।

अथवा

आर्थिक असमानता को दूर करने हेतु निम्नलिखित उपाय करने चाहिये –

(i) जनसंख्या वृद्धि पर रोक।

(ii) रोजगार व स्वरोजगार हेतु सरकार।

उ0 9. नारीवादी एक ऐसा विश्वव्यापी आंदोलन है जो नारी की अधीनस्थ और शोषित स्थिति को समाप्त करके उन्हें पुरूष के समकक्ष स्थान दिलाने का आकांक्षी है।

नारीवाद के प्रमुख प्रकार –

(i) उदारवादी नारीवादी, (ii) उग्र या अतिवादी नारीवादी

(iii) समाजवादी नारीवाद।

अथवा

सहकारी आंदोलन सामूहिक हितों के लिये बनाया गया व्यक्तियों का एक संघ है।

उद्देश्य –

(i) आर्थिक उद्देश्य (ii) सामाजिक उद्देश्य

(iii) सेवा एवं सहयोग का उद्देश्य।

उ010. पंचशील बौद्ध धर्म का एक पारिभाषिक शब्द है जिसका अर्थ होता है – आचरण के पाँच सिद्धांत। आधुनिक पंचशील के सिद्धांत द्वारा राष्ट्रों के मध्य आचरण के सिद्धांतों का निरूपण किया गया है। ये सिद्धांत राष्ट्रों के मध्य शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व की प्रतिबद्धता को दर्शाते है।

http://www.mpboardonline.com

पंचशील के पाँच सिद्धांत है –

(i) प्रादेशिक अखण्डता, (ii) अनाक्रमण (iii) अहस्तक्षेप

(iv) समानता (v) शांतिपूर्ण सहअस्तित्व

अथवा

गुटनिरपेक्षता का आशय है शीत युद्ध के परिपेक्ष्य में दोनों महाशक्तियों से समान दूरी बनाये रखने की नीति।

भारत द्वारा गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाये जाने के कारण –

(i) विश्व शांति में भूमिका – निर्वाह करने की आकांक्षा।

(ii) दोनों गुटों से आर्थिक सहायता प्राप्त करने की इच्छा।

(iii) एक विश्व की स्थापना का संकल्प।

(iv) अपनी निर्णय की स्वतंत्रता को बरकरार रखना।

उ011. भारत अमरीका संबंध कभी सुनियोजित नहीं रहे और न ही कभी भविष्यवाणी योग्य रहे। भारत और अमरीका के मध्य अब तक के अस्थिर संबंधों निम्नलिखित शीर्षकों के अन्तर्गत देखा जा सकता है –

(i) सुरक्षा की नीतियों में मतभेद का काल (1950–66)

(ii) संबंधों में ठंडेपन का काल (1966–79)

(iii) गहराते मत भेदों का काल (1980–1990)

(iv) शीत युद्धोत्तर विश्व में भारत – अमरीका संबंध (1990 से आज तक)

(v) राष्ट्रपति बुश की भारत यात्रा

(v) भारत अमरीका असैनिक परमाणु समझौता।

अथवा

सन् 1993 की जनवरी में रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन की भारत यात्रा सम्पन्न हुई। येल्तसिन की यात्रा ने भारत रूस संबंधों कोएक नयी और ठोस दिशा प्रदान की। रूसी राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान भारत और रूस के बीच लम्बे समय से चले आ रहे रूपये–रूबल विनियम दर के विवाद को सुलझाया गया। दोनों देशों के मध्य मैत्री और सहयोग की संधि पर हस्ताक्षर किये गये।

संधि के प्रावधानों को विस्तार से समझाया जाये।

http://www.mpboardonline.com

उ012. वैश्वीकरण एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा पूरा विश्व एकीकृत होकर एक विशाल वैश्विक बाजार या ग्राम बन जाता है।

वैश्वीकरण की विशेषताएँ –

(i) व्यापार का तीव्र विकास

(ii) राष्ट्र की अर्थव्यवस्था का विश्व की अर्थव्यवस्था के साथ एकीकरण

(iii) अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय लेन–देन में क्रियाशीलता

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय बाजार का प्रादुर्भाव।

अथवा

आर्थिक उदारीकरण का अभिप्राय उद्योग तथा व्यापार को अनावश्यक प्रतिबंधों से मुक्त करना है तथा उन्हें अधिक प्रतियोगी बनाया जा सके –

उद्‌देश्य –

(i) व्यवसाय के क्षेत्र में सरकार व नौकरशाही के हस्तक्षेप को कम करना।

(ii) उत्पादन क्षमता में विकास करना।

(iii) वस्तुओं एव सेवाओं की गुणवत्ता में विकास करना।

(iv) रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना।

उ013. कश्मीर समस्या के उद्‌भव के विभिन्न चरण निम्न थे –

(i) कश्मीर समस्या का उद्‌भव।

(ii) कश्मीर पर कबाइली आक्रमण।

(iii) कश्मीर का भारत में विलय

(iv) भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर को लेकर विवााद

(v) सुरक्षा परिषद् में कश्मीर समस्या।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् द्वारा इस प्रकरण के विस्तार से अध्ययन के निमित्त एक आयोग का गठन कर दिया गया। अगस्त 1948 में दोनों राष्ट्रों के समक्ष एक 'युद्ध विराम समझौते' का प्रारूप प्रस्तुत किया जिसे दोनों देशों द्वारा स्वीकार कर लिया गया। युद्ध विराम 1 जनवरी 1949 से लागू हुआ।

अथवा

राज्यों के पुनर्गठन की आवश्यकता –

(i) दक्षिणी भारत में भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की माँग ने राज्यों के पुनर्गठन को अपरिहार्य बना दिया।

(ii) जून 1948 में स्वयं संविधान सभा द्वारा एस. के. दर की अध्यक्षता में भाषायी प्रान्त आयोग की नियुक्ति की गई।

उ014. **पिछड़े वर्ग से अभिप्राय** – विकास की दौड़ में पीछे वे वर्ग जिन्हें अनुसूचित जाति या जनजाति की सूची में सम्मिलित नहीं किया गया है, पिछड़े वर्ग या अन्य पिछड़े वर्ग कहा जाता है।

लाला कालेलकर आयोग – 1953 में गठित, 1955 में रिपोर्ट प्रस्तुत। प्रमुख सिफारिशें –

(i) प्रथम श्रेणी की सेवाओं मं 25 प्रतिशत आरक्षण।

(ii) द्वितीय श्रेणी की सेवाओं में 33.5 प्रतिशत आरक्षण।

(iii) मेडिकल, वैज्ञानिक और तकनीकी शिक्षा में 70 प्रतिशत आरक्षण।

(iv) पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए एक अलग मंत्रालय।

(v) तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी की सेवाओं में 40 प्रतिशत आरक्षण।

अथवा

अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के विकास के लिये योजनाएं निम्न है –

(i) अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के उम्मीदवारों के लिये प्रशिक्षण योजना।

(ii) अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के विद्यार्थियों के लिये दसवीं कक्षा से पहले और बाद में छात्रवृत्तियाँ।

(iii) अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के लिये विदेशी छात्रवृत्तियाँ।

(iv) महिला और बाल विकास के लिए परामर्शदात्री परिषद् की स्थापना।

अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों के लिये विद्यार्थी या शासकीय स्तर पर जो कुछ भी किया है, उसके बावजूद इस दिशा में अभी भी बहुत कुछ किये जाने की आवश्यकता है।

http://www.mpboardonline.com

उ015. नक्सलवाद एक ऐसा क्रांतिकारी आंदोलन है जो यह मानता है कि साधन हीनों की स्थिति में परिवर्तन केवल सशस्त्र क्रांति के द्वारा ही किया जा सकता है।

उत्पत्ति और विकास, सरकार द्वारा प्रतिरोध, नक्सलवादी आंदोलन की वर्तमान स्थिति व सम्भावनाएँ बतायी जाये। साथ ही यह भी बताया जाये कि इस समस्या से निपटने के लिये सरकार ने 14 सूत्रीय एक व्यापक योजना तैयार की है।

अथवा

क्षेत्रीय असंतुलन का आशय है – धन और आय संबंधी वितरण तथा विकास के क्षेत्र में एक ही राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के मध्य विकास संबंधी भारी अंतर की स्थिति।

क्षेत्रीय असंतुलन के कारण –

(i) समृद्ध किसानों द्वारा विकास के लाभ हथियाना।

(ii) राजनीतिक और प्रशासकीय परिस्थितियाँ।

(iii) मानव पूँजी का अभाव।

(iv) राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी।

क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के उपाय –

(i) औद्योगिक उत्पादन की नबीन तकनीकों का प्रचार–प्रसार किया जाना चाहिए।

(ii) राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी और अधिकारियों की लापरवाही के कारण प्रभावी ढंग से लागू न किये गये विकास कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

उ016. उपभोक्ता उस व्यक्ति को कहते है जो वस्तुओं का उपभोग करता है।

भारत में उपभोक्ताओं के हित के लिये जो कानून पास किये गये है, उनमें सर्वप्रथम उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 है, इसमें उपभोक्ताओं को वैधानिक तौर पर निम्नांकित अधिकार प्रदान किये गये है –

(i) जीवन और सम्पत्ति के लिये खतरनाक माल के विपणन के विरूद्ध संरक्षण का अधिकार।

(ii) माल की गुणत्ता, मात्रा, शुद्धता, क्षमता तथा मूल्य के विषय में सूचना पाने का अधिकार।

(iii) शिकायत की समुचित सुनवाई का अधिकार।

अथवा

पर्यावरण शब्द की उत्पत्ति दो शब्दों परि–आवरण से मिलकर हुई। परि का अर्थ है– चारों ओर, और आवरण का अर्थ है – घेरा। पर्यावरणवह इकाई है जो हमारे चारों ओर विद्यमान है।

भारत में पर्यावरणीय प्रदूषण के कारण –

(i) भौतिक विकास को अत्याधिक महत्व,

(ii) विकास का असंतुलित कार्यक्रम,

(iii) वनों का विनाश।

(iv) कृषि का व्यापारीकरण,

(v) विशाल बाँध परियोजनाएँ

(vi) प्रदूषण उत्पन्न करने वाले उद्योगों का विस्तार।

(vii) बड़े पैमाने पर खनन।

उ017. **शीतयुद्ध के सामान्य कारण –**

(i) संघर्षों की अनिवार्यता।

(ii) विचारधाराओं का टकराव।

(iii) पारस्परिक संदेह।

(iv) विजित प्रदेशों पर नियत्रंण की इच्छा।

(v) परस्पर विरोधी प्रचार।

शीतयुद्ध के तात्कालिक कारण –

(i) पूर्वी यूरोप का सोवियतीकरण।

(ii) रूस द्वारा ईरान से सेना बुलाने से इन्कार करना।

(iii) यूनान और टर्की पर सोवियत संघ का दबाव।

(iv) पश्चिमी राष्ट्रों द्वारा सोवियत संघ को अपर्याप्त सहायता।

(v) अमरीका द्वारा अणुबम की जानकारी को सोवियत रूस से गोपनीय रखने का प्रयास।

http://www.mpboardonline.com

अथवा

तनाव – शैथिल्य का अर्थ है – महाशक्तियों के मध्य तनावपूर्ण संबंधों में शिथिलता आना।

अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों पर तनाव शैथिल्य का प्रभाव –

(i) तनावपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण में कमी।

(ii) महाशक्तियों के मध्य सहयोग की शुरूआत।

(iii) शक्ति की राजनीति का शिथिल होना।

(iv) संयुक्त राष्ट्रसंघ की सक्रियता में वृद्धि।

उ018. **भारत – पाक संबंधों के मुख्य मुद्दे हैं –**

(i) परस्पर संदेह की राजनीति

(ii) पाकिस्तान की भारत नीति के मूल आधार है –

(क) मनोवैज्ञानिक,

(ख) भारत विरोधी राष्ट्रों से घनिष्ठ संबंध बनाना।

(ग) हथियारों का भारी मात्रा में आयात

(घ) इस्लामी राष्ट्रों से घनिष्ठ संबंध स्थापन।

अथवा

भारत और श्रीलंका मतभेद निम्नलिखित मुद्दे पर रहा है –

(i) कच्छतिबु द्वीप की समस्या। (ii) सामरिक समस्या

(iii) तमिल समस्या (iv) समुद्री सीमा निर्धारण।

उपरोक्त चार मतभेद के कारणों को विस्तार से समझाया जाये।

उ019. **संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रमुख अंग हैं –**

(i) महासेना (ii) सुरक्षा परिषद्

(iii) आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् (iv) न्यास परिषद्

(v) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय (vi) सचिवालय।

सुरक्षा परिषद् के प्रमुख कार्य व शक्तियाँ – चार्टर के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बरकरार रखने का उत्तरदायित्व सुरक्षा परिषद् का है।

http://www.mpboardonline.com

सुरक्षा परिषद् को शांति और सुरक्षा के निमित्त महत्वपूर्ण प्रवर्तन शक्तियाँ प्राप्त हैं। सुरक्षा परिषद् ही एक ऐसी इकाई है जिसके निर्णय सदस्य राष्ट्रों पर बाध्यकारी है।

अथवा

निःशस्त्रीकरण का आशय विश्व को हथियारों से विहीन करना अथवा विश्व में विद्यमान हथियारों में कमी लाना है।

निःशस्त्रीकरण के प्रकार –

(i) सामान्य निःशस्त्रीकरण
(ii) समग्र निःशस्त्रीकरण
(iii) परिमाणात्मक निःशस्त्रीकरण
(iv) गुणपरक निःशस्त्रीकरण
(v) परम्परागत निःशस्त्रीकरण
(vi) परमाणु निःशस्त्रीकरण।

उपरोक्त प्रकरों को विस्तार से समझाया जाये।

उ020. भारतीय संविधान के निर्माताओं ने विश्व के अनेक संविधानों के अच्छे लक्षणों को संविधान में आत्मसात करने का प्रयास किया है।

भारतीय संविधान के स्त्रोत निम्नलिखित हैं –

(i) ब्रिटिश संवैधानिक प्रणाली – संसदीय प्रणाली।
(ii) अमरीकी संविधान – संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, संघीय व्यवस्था, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, न्यायिक पुनरीक्षण, उप–राष्ट्रपति का पद आदि।
(iii) कनाड़ा का संविधान – केन्द्र और राज्यों के मध्य शक्तियों का वितरण।
(iv) द. अफ्रीका – संविधान की संशोधन पद्धति।
(v) आस्ट्रेलिया का संविधान – समवर्ती सूची का समावेश।
(vi) जर्मनी का वीमर संविधान राष्ट्रपति की आपातकालीन शक्तियाँ।
(vii) आयरलैण्ड का संविधान।

अथवा

भारत में संविधान की प्रमुख विशेषताएँ –

(i) जन–सम्प्रभुता पर आधारित संविधान।
(ii) लिखित और सर्वाधिक व्यापक संविधान।

(iii) सम्पूर्ण प्रमुख सम्पन्न समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रिक गणराज्य की स्थापना।

(iv) संसदीय शासन प्रणाली।

(v) एकात्मक लक्षणों वाली संघीय व्यवस्था।

(vi) स्वतंत्र न्यायपालिका और न्यायिक पुनरीक्षण की व्यवस्था।

(vii) मौलिक अधिकारों तथा मौलिक कर्त्तव्यों की व्यवस्था।

(viii) नीति – निर्देशक तत्वों की व्यवस्था।

कोई छः विशेषताएँ विस्तार से समझाया जाये।

उ021. सार्क का पूरा नाम है – दक्षिण एशियाई क्षेत्री सहयोग संगठन। इसके भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश, नेपाल, श्रीलंका, भूटान व मालवीय सदस्य देश है। यह दिसम्बर 1985 में बना है।

सार्क में मुख्य उद्देश्य है –

(i) द. एशिया में जनमानस के कल्याण को प्रोत्साहन देना।

(ii) द. एशिया में आर्थिक संवृद्धि तथा सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देना।

(iii) सदस्य राष्ट्रों के मध्य सामूहिक आत्म – निर्भरता को बढ़ावा देना।

(iv) विकास के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय सहयोग को बढ़ावा देना।

(v) सामान्य हितों के संदर्भ में पारस्परिक सहयोग विकसित करना।

सार्क 22 वर्ष के समय काल में आंशिक रूप से ही सफलता प्राप्त कर पाया है। राष्ट्रों में राजनीतिक मतभेदों को जब तक सहयोग की सम्भावनों से अलग नहीं किया जायेगा, तब तक क्षेत्रीय सहयोग की संस्था के रूप में सार्क को यथेष्ठ सफलता नहीं मिल पायेगी।

अथवा

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना 27 दिसम्बर, 1945 में हुई।

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के उद्देश्य –

(i) अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देना।

(ii) रोजगार और आय के अवसरों में वृद्धि करना।

(iii) विनियम स्थिरता को बढ़ावा देना।

http://www.mpboardonline.com

(iv) विदेशी विनिमय से संबंधित प्रतिबन्धों को समाप्त करना।

(v) सदस्य राष्ट्रों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराना।

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के कार्य –

(i) सदस्य राष्ट्रों को ऋण उपलब्ध करना।

(ii) सदस्य राष्ट्रों को अपनी मुद्रा के मूल्य में 10% से अधिक का परिवर्तन न लाने देना।

(iii) क्षतिपूरक वित्तीय सुविधा उपलब्ध कराना।

(iv) व्यवस्थापक परिवर्तन का कार्य।

(v) सदस्य राष्ट्रों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराना।